सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा - 2024 रविशंकर
(संस्कृत शिक्षा विभाग) - परीक्षा तिथि - 15/9/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

409421

Paper Code : 22

Sub : Samanya Sanskrit-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

22-□

1. यस्य न सविधे दयिता दवदहनस्तुहिनदीधितिस्तस्य ।
यस्य च सविधे दयिता दवदहनस्तुहिनदीधितिस्तस्य ।।
इत्यस्मिन् श्लोकेऽलङ्कारो विद्यते –
(1) लाटानुप्रासः (2) छेकानुप्रासः
(3) वृत्यनुप्रासः (4) यमकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. पृथुकार्तस्वरपात्रं भूषित निःशेषपरिजनं देव ! ।
विलसत्करेणुगहनं सम्प्रति सममावयोः सदनम् ।।
इत्यस्मिन् श्लोकेऽलङ्कारो वर्तते –
(1) वर्णश्लेषः (2) लिङ्गश्लेषः
(3) विभक्तिश्लेषः (4) पदश्लेषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. गुणानामेव दौरात्म्याद् धुरि धुर्यो नियुज्यते ।
असञ्जातकिणस्कन्धः सुखं स्वपिति गौर्गलिः ।।
उपर्युक्ते श्लोके कोऽलङ्कारो विद्यते ?
(1) निदर्शना (2) उपमा
(3) दृष्टान्तः (4) अर्थान्तरन्यासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. यत्र उपमानोपमेययोरभेदो भवति तत्र अलङ्कारो जायते –
(1) विभावनालङ्कारः
(2) रूपकालङ्कारः
(3) उपमालङ्कारः
(4) निदर्शनालङ्कारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. 'अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनःश्रुतिः' इति लक्षणं वर्तते –
(1) अनुप्रासालङ्कारस्य
(2) श्लेषालङ्कारस्य
(3) यमकालङ्कारस्य
(4) वक्रोक्त्यलङ्कारस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. उत्कटैककोटिकः सन्देहो यत्र तत्र को नाम अलंकार ?
(1) अनन्वयः (2) सन्देहः
(3) भ्रान्तिमान् (4) उत्प्रेक्षा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. लब्ध्वा तव बाहुस्पर्शं यस्याः स कोऽप्युल्लासः ।
जयलक्ष्मीस्तव विरहे न खलूज्ज्वला दुर्बला ननु सा ।।
उदाहरणमिदं कस्यालंकारस्य ?
(1) निदर्शनायाः (2) विभावनायाः
(3) समासोक्त्याः (4) संसृष्टेः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः ।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।।
इत्यस्मिन् श्लोकेऽलङ्कारो वर्तते –
(1) निदर्शना (2) विभावना
(3) व्यतिरेकः (4) दृष्टान्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. कर्पूर इव दग्धोऽपि शक्तिमान् यो जने जने ।
नमोऽस्त्ववार्यवीर्याय तस्मै मकरकेतवे ।।
इत्यत्र श्लोके कोऽलंकारः ?
(1) अर्थान्तरन्यासः (2) विभावना
(3) विशेषोक्तिः (4) दृष्टान्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. "साधर्म्यं" नाम उपमेति मम्मटस्तत्र कयोस्साधर्म्यम् स्वीकरोति –
(1) कार्यकारणयोः
(2) न्यूनाधिकयोः
(3) उपमानोपमेययोः
(4) इवोपमेययोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. "अविश्रान्ति जुषामात्मन्यंगांगित्वं" नामालंकार: ?

(1) संकर: (2) संसृष्टि:
(3) विरोध: (4) रूपकम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

12. 'वस्तुवृत्तेन अविरोधेऽपि विरुद्धयोरिव यदभिधानं भवति' एतल्लक्षणमस्ति –

(1) विभावनाया: (2) विरोधाभासस्य
(3) सङ्करस्य (4) व्यतिरेकस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

13. यत्र उपमेयं निषिध्य उपमानं साध्यते तत्रालङ्कारो भवति –

(1) संसृष्टि: (2) समासोक्ति:
(3) श्लेष: (4) अपह्नुति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

14. यत्र शिशु–पशुपक्षीत्यादीनां स्वक्रियारूपवर्णनं क्रियते तत्र कोऽलङ्कार: भवति –

(1) स्वभावोक्ति: (2) वक्रोक्ति:
(3) विशेषोक्ति: (4) उपमा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

15. आर्याछन्दसि द्वादशमात्रा भवन्ति –

(1) प्रथम द्वितीयचरणयो:
(2) प्रथम चतुर्थचरणयो:
(3) द्वितीय तृतीयचरणयो:
(4) प्रथम तृतीयचरणयो:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

16. प्रस्तुते श्लोके कोऽलंकार: ?

त्वयि दृष्ट एव तस्या निर्वाति मनो मनोभवज्वलितम् ।
आलोके हि हिमांशोर्विकसति कुसुमं कुमुद्वत्या: ।।

(1) विशेषोक्ति: (2) यमकम्
(3) अर्थान्तरन्यास: (4) दृष्टान्त:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

17. "द्वितीय–चतुर्थपादयो: समुद्रात् परत: जेन युक्तम्" तत्र किं नाम छन्द: ?

(1) आर्या (2) पथ्यावक्त्रम्
(3) अनुष्टुप् (4) प्रहर्षिणी
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

18. कस्मिन् छन्दसि जगण–तगण–गुरु–गुरु इतिक्रमेण वर्णा: भवन्ति –

(1) इन्द्रवज्रा (2) उपेन्द्रवज्रा
(3) वियोगिनी (4) वसन्ततिलका
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

19. इन्द्रवज्रोपेन्द्रवज्रयो: सम्मेलनं चेत् किं नाम छन्द: ?

(1) मालिनी-छन्द:
(2) उपजाति-छन्द:
(3) वियोगिनी-छन्द:
(4) वसन्ततिलका-छन्द:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

20. "यत्पलायनपरायणस्य ते" इत्यत्र किं छन्द: ?

(1) रथोद्धता (2) आर्या
(3) इन्द्रवज्रा (4) उपेन्द्रवज्रा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

21. षष्ठे चतुर्थे सप्तमे वर्णे यदि यतिस्तत्र किन्नाम छन्द: ?

(1) हरिणी (2) शिखरिणी
(3) मन्दाक्रान्ता (4) स्रग्धरा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

22. आखण्डलसमो भर्त्ता जयन्तप्रतिम: सुत: ।
आशीरन्या न ते योग्या पौलोमीसदृशी भव ।।
पद्येऽत्र किं छन्द: ?

(1) पथ्यावक्त्र (2) अनुष्टुप्
(3) रथोद्धता (4) आर्या
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

23. चतुर्भिर्यगणैः सहितं छन्दः किं भवेत् ?
(1) पुष्पिताग्रा (2) भुजङ्गप्रयातम्
(3) उपेन्द्रवज्रा (4) वंशस्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. "परिषदा सह केलिकुतूहलात्" इत्यस्मिन् श्लोकांशे किं नाम वृत्तं भवति ?
(1) रथोद्धता
(2) भुजङ्गप्रयातम्
(3) वंशस्थम्
(4) द्रुतविलम्बितम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. त्रिभिर्दशभिश्च यतिश्चेत् किं नाम वृत्तं भवेत् ?
(1) प्रहर्षिणी (2) मालिनी
(3) हरिणी (4) शिखरिणी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. "कथमपि विरहः पुरा न सेहे नयन निमीलनखिन्नया ययाते" ।
इत्यस्मिन् पद्यांशे छन्दसः नाम किम् ?
(1) वियोगिनी (2) पुष्पिताग्रा
(3) उपजातिः (4) शिखरिणी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. अधोलिखिते श्लोकांशे किं नाम छन्दः ?
"सिंहोन्नतत्रिककटी कुटिलालकान्ता" ।
(1) उपजातिः (2) वसन्ततिलका
(3) मन्दाक्रान्ता (4) वियोगिनी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. वंशस्थे छन्दसि कः गणनाक्रमः समुचितः –
(1) जगण – तगण – जगण – रगणाः
(2) तगण – जगण – रगण – जगणाः
(3) जगण – जगण – तगण – रगणाः
(4) रगण – जगण – तगण – जगणाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. अधोलिखिते श्लोकांशे किं नाम वृत्तमस्ति ?
"नानाभावाकलितरसिकश्रेणिकान्तान्तरङ्गा" ।
(1) शिखरिणी (2) मन्दाक्रान्ता
(3) वसन्ततिलका (4) हरिणी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. रघुवंशमहाकाव्यस्य विषयेऽसत्यं कथनं वर्तते –
(1) महाकाव्येऽस्मिन् एकोनविंशतिः सर्गाः सन्ति ।
(2) दिलीपस्य गो-सेवा द्वितीय-सर्गे वर्णिता अस्ति ।
(3) "नाथे कुतस्त्वय्यशुभं प्रजानाम्" इति कौत्सः रघुं प्रत्यवोचत्
(4) रघुवंशस्य चतुर्थे सर्गे रघु-कौत्स-संवादः वर्णितः वर्तते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. रघुवंशमहाकाव्यानुसारं समुचितं मेलनं चिनुत –

क.	त्यागाय	I.	मितभाषिणाम्
ख.	सत्याय	II.	संभृतार्थानाम्
ग.	प्रजायै	III.	विजिगीषूणाम्
घ.	यशसे	IV.	गृहमेधिनाम्

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	IV	III	II	I
(2)	II	I	IV	III
(3)	II	I	III	IV
(4)	III	IV	II	I

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. न मे दूरे किञ्चित् क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात्–अत्र छन्दोऽस्ति ।
(1) शिखरिणी (2) मन्दाक्रान्ता
(3) प्रहर्षिणी (4) हरिणी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. कुमारसम्भवे कतिः सर्गाः सन्ति ?

(1) सप्तदश (2) पञ्चदश

(3) त्रयोदश (4) एकादश

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. "न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।" एतया सूक्त्या सह सम्बद्धः कविरस्ति –

(1) भासः (2) भारविः

(3) माघः (4) कालिदासः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. भवन्ति भव्येषु हि पक्षपाताः – इति सूक्तिः कस्मिन् काव्ये वर्तते ?

(1) रघुवंशे (2) बुद्धचरिते

(3) कुमारसम्भवे (4) किरातार्जुनीये

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. यः अधिपं साधु न शास्ति सः –

(1) किंप्रभुः (2) दुर्जनः

(3) बलीयः (4) किंसखा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. किरातार्जुनीयस्य महाकाव्यस्य प्रतिनायकः कः ?

(1) अर्जुनः (2) शङ्करः

(3) युधिष्ठिरः (4) इन्द्रः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. राजस्थानप्रदेशस्य भीनमालनगरं केन महाकविना स्वजन्मनाऽलङ्कृतम् ?

(1) कालिदासेन (2) श्रीहर्षेण

(3) भासेन (4) माघेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. दिलीपनृपस्य गोसेवायाः वर्णनं कस्मिन् काव्ये वर्तते ?

(1) रघुवंशे (2) कुमारसम्भवे

(3) हर्षचरिते (4) बुद्धचरिते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. "मदेकपुत्रा जननी जरातुरा नवप्रसूतिर्वरटा तपस्विनी ।" वाक्यमिदं कः कस्मै अकथयत् –

(1) हंसः नलाय (2) नलः हंसाय

(3) हंसः दमयन्त्यै (4) दमयन्ती हंसाय

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. अधोलिखितान् कथांशान् सम्बद्धैः महाकाव्यैः सह संयोज्य समीचीनां तालिकां चिनुत –

	कथांशाः		महाकाव्यानि
क.	रैवतकपर्वतस्य वर्णनम्	I.	किरातार्जुनीयम्
ख.	हंसस्य करुणविलापः	II.	रघुवंशम्
ग.	इन्द्रकीलपर्वते तपः प्रसंगम्	III.	शिशुपालवधम्
घ.	सिंह–दिलीप संवादः	IV.	नैषधीयचरितम्

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	III	II	IV	I
(2)	III	IV	I	II
(3)	I	IV	II	III
(4)	IV	I	II	III

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. महाकाव्यसर्गयोः समुचितं मेलनं वर्तते –

क.	शिशुपालवधम्	I.	अष्टादश
ख.	रघुवंशम्	II.	विंशतिः
ग.	किरातार्जुनीयम्	III.	द्वाविंशतिः
घ.	नैषधीयचरितम्	IV.	एकोनविंशतिः

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	II	IV	I	III
(2)	II	IV	III	I
(3)	I	II	IV	III
(4)	I	II	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. शिशुपालवधे शिशुपालस्य वधाय देवराजस्य सन्देशं श्रीकृष्णस्य समीपं क आनीतवान् ?

(1) बलरामः (2) नारदमुनिः

(3) भीमः (4) युधिष्ठिरः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. बुद्धचरितमहाकाव्यस्य चीनीभाषायामनुवादः केन कृतः ?

(1) ह्वेनसांगेन (2) इत्सिंगेन
(3) फाहियानेन (4) धर्मरक्षेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. दशकुमारचरितस्य मङ्गलाचरणे दण्डिना कस्य देवस्य स्तुतिः कृता ?

(1) शिवस्य (2) ब्रह्मणः
(3) त्रिविक्रमवामनस्य (4) रामस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. "रुचिरस्वरवर्णपदा रसभाववती जगन्मनो हरति ।" पद्यांशेनानेन प्रशंसितः कविरस्ति –

(1) सुबन्धुः
(2) बाणभट्टः
(3) दण्डी
(4) अम्बिकादत्तव्यासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. हर्षचरिते हर्षवर्धनस्य राज्यस्य किं नाम ?

(1) विजयनगरम्
(2) स्थाण्वीश्वरम्
(3) गौडप्रदेशः
(4) पुष्पपुरी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. "नैषधीयचरितम्" महाकाव्ये 'पंचनली नलः' इति के पञ्चनलाः ?

(1) इन्द्रः, अग्निः, यमः, वरुणः, नलः
(2) नलः, कुबेरः, इन्द्रः, अग्निः, वरुणः
(3) यमः, कृष्णः, नलः, अग्निः, वरुणः
(4) विष्णुः, अग्निः, वरुणः, इन्द्रः, नलः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. कादम्बर्यां कस्य नृपस्य राज्यसभायां चाण्डालकन्या शुकमानीतवती ?

(1) तारापीडस्य (2) चन्द्रापीडस्य
(3) हारीतस्य (4) शूद्रकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. पञ्चतन्त्रे तृतीयतन्त्रस्य नाम किम् ?

(1) काकोलूकीयम्
(2) मित्रभेदः
(3) मित्रसम्प्राप्तिः
(4) लब्धप्रणाशः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. 'शिवराजविजयम्' सन्दर्भे निम्नेषु असत्यं कथनमस्ति –

(1) ऐतिहासिकं कथानकम् ।
(2) त्रयः विरामाः द्वादश निश्वासाः ।
(3) शृंगार प्रधान उपन्यासः ।
(4) पाञ्चाली गद्य शैली ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. हितोपदेशे सर्वद्रव्येषूत्तमं द्रव्यं किम् ?

(1) स्वर्णम् (2) रजतम्
(3) विद्या (4) मौक्तिकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. हितोपदेशस्य चतुर्षु भागेषु प्रथमोऽस्ति –

(1) सुहृद्भेदः (2) सन्धिः
(3) विग्रहः (4) मित्रलाभः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. दशकुमारचरिते ओष्ठ्य–अक्षराणाम् अप्रयोगः कस्मिन् उच्छवासे दृश्यते ?

(1) सप्तमे (2) अष्टमे
(3) द्वितीये (4) तृतीये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. उत्तररामचरितमधिकृत्य असंगतं युग्मं चिनुत –

(1) चित्र–दर्शनम् – प्रथमोङ्कः

(2) छायानामाङ्कः – तृतीयोङ्कः

(3) कुमारप्रत्यभिज्ञानम् – चतुर्थोङ्कः

(4) पंचवटीप्रवेशः – द्वितीयोङ्कः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. "एवमनिर्ज्ञातानि दैवतान्यप्यवधूयन्ते ।" कथनमिदं वर्तते –

(1) यौगन्धरायणस्य

(2) उदयनस्य

(3) वासवदत्तायाः

(4) पद्मावत्याः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।
लोकोत्तराणां _____ इत्यत्र समीचीनं पदं चिनुत –

(1) यशांसि (2) श्रेयांसि

(3) भूयांसि (4) चेतांसि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. "कोऽन्यो हुतवहाद्दग्धुं प्रभवति ।" अभिज्ञानशाकुन्तले कथनमिदं वर्तते –

(1) कण्वस्य (2) प्रियंवदायाः

(3) अनुसूयायाः (4) गौतम्याः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. विष्णुशर्मा कस्य नृपस्य मूर्खपुत्रान् समुपदेष्टुं पञ्चतन्त्रं रचितवान् ?

(1) अमरशक्तेः (2) देवशर्मणः

(3) शिवयोगिनः (4) नारायणदेवस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. स्वप्नवासवदत्तनाटके यौगन्धरायणः कस्य नृपस्य मन्त्रिपदमलङ्करोति ?

(1) उदयनस्य (2) आरुणेः

(3) दर्शकस्य (4) शशाङ्कस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. कौमुदीमहोत्सवस्य निषेधाज्ञा केन प्रसारिता ?

(1) चन्द्रगुप्तेन (2) चाणक्येन

(3) राक्षसेन (4) मलयकेतुना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. मुद्राराक्षसे चाणक्यः कं विनाश्य चन्द्रगुप्तं स्थापयति ?

(1) भागुरायणम् (2) मलयकेतुम्

(3) पर्वतकम् (4) नन्दवंशम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. 'मृच्छकटिकम्' इति रूपकविषये असत्यकथन-समूहोऽस्ति –

क. चारुदत्तः धीरोदात्तः नायकः अस्ति ।

ख. मृच्छकटिकम् इति रूपकस्य नायिका अवन्तिपुर्याः गणिका ।

ग. मृच्छकटिकं शृंगारप्रधाननाटकमस्ति ।

घ. मृच्छकटिकम् इति रूपके प्रतिनायकः शकारः ।

(1) क, ग (2) ख, घ

(3) ग, घ (4) क, घ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. स्वर्गात् समागच्छन् दुष्यन्तः कस्याश्रमे स्वपुत्रं भरतं पश्यति ?

(1) कण्वस्य (2) मारीचस्य

(3) दुर्वाससः (4) अगस्त्यस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

409421

65. संस्कृतस्य प्रथममुपलब्धं चम्पूकाव्यं वर्तते –
(1) जीवन्धरचम्पूः
(2) यशस्तिलकचम्पूः
(3) नलचम्पूः
(4) रामायणचम्पूः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

409421

66. नलचम्पूकारः कस्य समसामयिकः ?
(1) भारवेः (2) सोमदेवसूरेः
(3) राजशेखरस्य (4) दण्डिनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. नलचम्पूः विभक्ता वर्तते –
(1) सप्तसु उच्छ्वासेषु
(2) सप्तसु अङ्केषु
(3) पञ्चसु सर्गेषु
(4) चतुर्षु भागेषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

409421

68. निम्नलिखितेषु कविषु चम्पूरामायणस्य रचयिता वर्तते –
(1) सोमदेवः (2) भोजराजः
(3) भर्तृहरिः (4) आनन्दवर्धनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. चम्पूरामायणस्य युद्धकाण्डस्य रचयिता कः ?
(1) लक्ष्मणसूरिः (2) भोजराजः
(3) त्रिविक्रमभट्टः (4) सोमदेवः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

409421

70. मृच्छकटिकस्य नायको वर्तते –
(1) उदयनः (2) माढव्यः
(3) दुष्यन्तः (4) चारुदत्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. धर्मसामान्यस्य लक्षणमस्ति –
(1) दुष्टैः सेवितः
(2) विद्वाद्भिः सद्भिः सेवितः
(3) दुराचारैः सेवितः
(4) नित्यं द्वेषरागिभिर्जनैः सेवितः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. ब्रह्मवर्चसकामस्य विप्रस्य उपनयनं कार्यम् –
(1) अष्टमेऽब्दे (2) चतुर्थेऽब्दे
(3) षष्ठेऽब्दे (4) पञ्चमेऽब्दे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. मनुस्मृतौ कृषिकार्यं कस्य वर्णविशेषस्य कार्यं प्रतिपादितम् ?
(1) ब्राह्मणस्य (2) क्षत्रियस्य
(3) वैश्यस्य (4) शूद्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. राजनि कस्य देवस्यांशो न भवति ?
(1) इन्द्रस्य (2) यमस्य
(3) कुबेरस्य (4) रुद्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. द्विजन्मनां शरीरसंस्कारः कैः करणीयः ?
(1) पुराणोक्तकर्मभिः
(2) साहित्योक्तकर्मभिः
(3) जनोक्तकर्मभिः
(4) वैदिकैः कर्मभिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. एषु धर्मस्य साक्षाल्लक्षणं नास्ति –
(1) वेदः (2) स्मृतिः
(3) ध्यानम् (4) सदाचारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. अधोलिखितां तालिकां योजयत् –

क.	गोमिथुनम् आदाय वराय कन्यादानम्	I.	दैवविवाहः
ख.	यज्ञे ऋत्विजे अलंकृत्य कन्यादानम्	II.	आर्ष विवाहः
ग.	श्रुतिशीलवते वरं स्वयमाहूय कन्यादानम्	III.	प्राजापत्य विवाहः
घ.	उभौ धर्मंचरतां इति वाचमनुभाव्य अभ्यर्च्य कन्यादानम्	IV.	ब्राह्म विवाहः

40942

कूट :

	क	ख	ग	घ
(1)	III	IV	I	II
(2)	II	IV	III	I
(3)	II	I	IV	III
(4)	II	I	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

409421

78. क्षत्रियस्य परो धर्मः वर्तते –

(1) लब्धस्य परिवर्धनम् ।

(2) अलब्धस्य चिन्तनम् ।

(3) प्रजानां पालनम् ।

(4) अध्ययनं, यज्ञः दानं च ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

409421

79. कामसमुत्थानि व्यसनानि मनुस्मृतौ कति परिगणितानि सन्ति –

(1) अष्टौ (2) षट्

(3) दश (4) पञ्च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. पुरुषानुगृहीतानामेतेषां वासनामयः ।
विसर्गोऽयं समाहारो बीजाद्बीजं चराचरम् ।।
पद्येऽस्मिन् कस्य वर्णनं वर्तते ?

(1) सर्गस्य (2) प्रतिसर्गस्य

(3) वंशस्य (4) मन्वन्तरस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. अष्टादशपुराणेषु प्राचीनतमं पुराणं वर्तते –

(1) ब्राह्मं पुराणम् (2) मत्स्यपुराणम्

(3) अग्निपुराणम् (4) पद्मपुराणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. किं पुराणं "निगमकल्पतरोर्गलितंफलम्" रूपेण आद्रियते ?

(1) भागवत-पुराणम्

(2) ब्रह्माण्डपुराणम्

(3) वामनपुराणम्

(4) मार्कण्डेयपुराणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. पुराणस्य पञ्चलक्षणेषु एतन्नास्ति –

(1) वंशः (2) मन्वन्तराणि

(3) पोषणम् (4) प्रतिसर्गः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. पौराणिक-वर्ण्य-विषयेषु को नास्ति परिगणितः ?

(1) अध्यात्मविद्या (2) सृष्टिः

(3) प्रलयः (4) मन्वन्तराणि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. मनुस्मृतौ राजधर्मः कस्मिन्नध्याये प्रतिपादितः ?

(1) पञ्चमे (2) षष्ठे

(3) सप्तमे (4) द्वितीय

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. याज्ञवल्क्यमतेन अर्थशास्त्रधर्मशास्त्रस्मृत्योर्विरोधे अर्थशास्त्रात्तु बलवद् भवति –
(1) धर्मशास्त्रम्
(2) राजादेश:
(3) नीतिशास्त्रम्
(4) नृपेच्छा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

87. अत्र असंगतं वर्तते ?
(1) क्रोधजम् – पैशुन्यम्
(2) कामजम् – मृगया
(3) व्यसनानि – अष्टादश
(4) कामसमुत्थानि – द्वादश
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

88. तं राजा प्रणयन् सम्यक् त्रिवर्गेणाभिवर्धते – अत्र 'त्रिवर्ग:' क: ?
(1) भू:, भुव:, स्व:
(2) यज्ञं, दानं, तप:
(3) धर्म:, अर्थ:, काम:
(4) ब्राह्मण:, क्षत्रिय:, वैश्य:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

89. अधोलिखितेषु अरिषड्वर्गे न गण्यते –
(1) क्रोध: (2) काम:
(3) लोभ: (4) पैशुन्यम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

90. याज्ञवल्क्यस्मृतौ अध्याया: सन्ति –
(1) त्रय: (2) पञ्च
(3) एकादश (4) दश
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

91. चन्द्र: कस्य राशे: स्वामी भवति ?
(1) कर्कराशे: (2) मेषवृश्चिकयो:
(3) मकरकुम्भयो: (4) तुलावृषयो:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

92. एषु नक्षत्रं नास्ति –
(1) भरणी (2) अनुराधा
(3) शतभिषा (4) वैधृति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

93. कन्याराशे: स्वामी क: ?
(1) शनि: (2) चन्द्र:
(3) बुध: (4) सूर्य:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

94. मृगशिरा नक्षत्रस्य तृतीयचरणे लब्धजन्मनो नाम संभवति –
(1) गोवर्धन: (2) गीतादत्त:
(3) देवदत्त: (4) कमलाकान्त:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

95. पञ्चक–नक्षत्रेषु परिगण्यते –
(1) शतभिषा (2) मृगशिरा
(3) अनुराधा (4) पुष्यनक्षत्रम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

96. अश्विनीभरणीकृत्तिकापादमेकं राशिर्भवति ?
(1) मेष: (2) मिथुन:
(3) सिंह: (4) कन्या
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

97. उत्तरात्रयरोहिण्यो भास्करस्य च का संज्ञा उल्लिखिता अस्ति –
(1) चरं चलम् (2) ध्रुवं स्थिरम्
(3) उग्रं क्रूरम् (4) क्षिप्रं लघु
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

98. प्रतिपदातिथे: संज्ञा भवति ?

(1) नन्दा (2) भद्रा
(3) जया (4) रिक्ता
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

99. एतासु पर्वसंज्ञक: नास्ति –

(1) चतुर्दशी (2) अष्टमी
(3) रविसंक्रान्ति: (4) पञ्चमी
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

100. तन्तुसंयोग: पटस्य कीदृशं कारणम् ?

(1) समवायि (2) असमवायि
(3) निमित्तम् (4) अन्यथा सिद्धम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

101. सुखाद्युपलब्धिसाधनमिन्द्रियम् किम् ?

(1) वाक् (2) भाग्यम्
(3) मन: (4) काल:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

102. यथार्थानुभव: कतिविध: ?

(1) द्विविध: (2) त्रिविध:
(3) पञ्चविध: (4) चतुर्विध:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

103. विशेषण–विशेष्य–सन्निकर्षेण कस्य प्रत्यक्षं भवति ?

(1) रूपस्य (2) शब्दस्य
(3) शब्दत्वस्य (4) अभावस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

104. शुक्रवासरे नन्दातिथौ योगो भवति ?

(1) अमृतयोग: (2) सौभाग्यम्
(3) व्याघात: (4) सिद्धियोग:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

105. प्रागभाव: भवति –

(1) अनादि–सान्त:
(2) सादि–सान्त:
(3) सादिरनन्त:
(4) अनादिरनन्त:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

106. "यत्समवेतं कार्यमुत्पद्यते" इति लक्षणमस्ति –

(1) कार्यस्य (2) करणस्य
(3) समवायिकारणस्य (4) निमित्तकारणस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

107. पदस्य पदान्तरव्यतिरेकप्रयुक्ताऽन्वयाऽननुभावकत्वम् अस्ति –

(1) सन्निधि: (2) योग्यता
(3) आकाङ्क्षा (4) विवक्षा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

108. द्रव्येषु परिगण्यते –

(1) रूपम् (2) काल:
(3) शब्द: (4) समवाय:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

109. यस्य साध्याभाव: प्रमाणान्तरेण पक्षे निश्चित: स: हेतुरस्ति –

(1) विरुद्ध: (2) सत्प्रतिपक्ष:
(3) अनैकान्तिक: (4) बाधित:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

110. रूपत्वसामान्यप्रत्यक्षे क: सन्निकर्ष: ?

(1) संयोग:
(2) संयुक्तसमवाय:
(3) समवाय:
(4) संयुक्तसमवेतसमवाय:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

111. "येयं प्रेते विचिकित्सा मनुष्येऽस्तीत्येके नायमस्तीति चैके ।" कठोपनिषदि मन्त्रांशोऽयं कतमेन वरेण सह सम्बद्धः ?

(1) प्रथमवरेण (2) अतिरिक्तवरेण

(3) तृतीयवरेण (4) द्वितीयवरेण

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. मनसो जवीयः कः ?

(1) प्रकृतिः (2) असुरः

(3) आत्मा (4) मानवः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. कठोपनिषदनुसारम् असङ्गतं कथनं चिनुत –

(1) अयमात्मा प्रवचनेन न लभ्यः ।

(2) अयमात्मा मेधया न लभ्यः ।

(3) यमेवैष वृणुते तेनायमात्मा न लभ्यः ।

(4) बहुना श्रुतेनायमात्मा न लभ्यः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. हिरण्यमयेन पात्रेण कस्य मुखम् अपिहितम् अस्ति –

(1) धर्मस्य (2) सत्यस्य

(3) ज्ञानस्य (4) घटस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. वाक्यमिदम् ईशावास्योपनिषद्गतं नास्ति –

(1) भस्मान्तं शरीरम् ।

(2) कुर्वन्नेवेहकर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः ।

(3) स पर्यगाच्छुक्रम् अकायम् ।

(4) शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. "युयोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नम उक्तिं विधेम" इत्यत्र एनः पदस्य अर्थः अस्ति –

(1) धर्मः (2) ज्ञानम्

(3) सत्यम् (4) पापम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. "पराञ्चि खानि व्यतृणत् स्वयम्भूः" इत्यत्र खानि-पदेन किमभिधीयते –

(1) आकाशप्रदेशाः

(2) चराचरं जगत्

(3) इन्द्रियाणि

(4) जीवशरीराणि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. निम्नलिखितेषु किं नाम उपनिषद्-वाक्यं कठोपनिषदि नास्ति ?

(1) प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ।

(2) इन्द्रियेभ्यः परा ह्यर्थाः अर्थेभ्यश्च परं मनः ।

(3) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यः ।

(4) योऽसावसौ पुरुषः सोऽहमस्मि ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. यस्तु सर्वाणि भूतानि आत्मनि एवानुपश्यति सः कीदृशः भवति –

(1) न विजुगुप्सते ।

(2) विजुगुप्सते ।

(3) ईर्ष्यायुक्तः भवति ।

(4) न मोदते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. सस्यमिव क आजायते ?

(1) मर्त्यः (2) देवः

(3) असुरः (4) ब्रह्म

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

A09421

121. अश्वघोष विरचितेषु काव्येषु इदमपि एकं वर्तते –
(1) सौन्दरनन्दम्
(2) नवसाहसाङ्कचरितम्
(3) विक्रमांकदेवचरितम्
(4) जानकीहरणम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

122. "चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्ति:" उक्तिरियं भासकृतस्य कस्य रूपकस्य ?
(1) प्रतिमानाटकस्य
(2) दूतघटोत्कचस्य
(3) स्वप्नवासवदत्तस्य
(4) बालचरितस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

123. महाकवि भासविरचितं रूपकमस्ति –
(1) उत्तररामचरितम्
(2) मुद्राराक्षसम्
(3) विक्रमोर्वशीयम्
(4) दूतघटोत्कचम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

124. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' इत्यस्मिन् नाटके अङ्का: सन्ति –
(1) अष्टौ (2) नव
(3) सप्त (4) षट्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

125. "चतुर्विंशतिसाहस्रीसंहिता" नामधेयं काव्यं कस्यास्ति ?
(1) महाकविकालिदासस्य
(2) महाकवि–वाल्मीके:
(3) महाकवि–अश्वघोषस्य
(4) महाकविबाणभट्टस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421

126. बुद्धिशस्त्र: प्रकृत्यंगो घनसंवृतिकञ्चुक: ।
चारेक्षणो दूतमुख: पुरुष: कोऽपि पार्थिव: ।।
इति राज्ञ: विषये कस्य कवे: उक्ति: –
(1) भारवे:
(2) पं. क्षमारावस्य
(3) अम्बिकादत्तव्यासस्य
(4) माघस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

127. "पत्रलेखाया:" उल्लेख: कस्मिन्काव्ये वरीवर्ति ?
(1) हर्षचरिते
(2) कादम्बर्य्याम्
(3) दशकुमारचरिते
(4) यात्राविलासे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

128. "गन्धर्वनगरलेखेव" पश्यत एव का नश्यति ?
(1) विद्या (2) धूम्रलेखा
(3) भगवत्कृपा (4) लक्ष्मी:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

129. "खण्डनखण्डखाद्यम्" कीदृशी रचना विद्यते ?
(1) महाकाव्यमूलिका
(2) वेदान्तदर्शनमूलिका
(3) गीतिकाव्यमूलिका
(4) नीतिकाव्यमूलिका
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

130. "द्वैतवनस्य" समुल्लेख: क्वास्ति ?
(1) शिशुपालवधे (2) उत्तररामचरिते
(3) रघुवंशे (4) किरातार्जुनीये
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

131. "मालतीमाधवम्" नामरूपकं किमस्ति ?
(1) भाण: (2) प्रकरणम्
(3) नाटकम् (4) व्यायोग:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

132. "सामवतं" नाम नाटकं कस्य कृति: ?
(1) हृषीकेश भट्टाचार्यस्य
(2) गोविन्दाचार्यस्य
(3) क्षमारावस्य
(4) अम्बिकादत्तव्यासस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

133. पण्डितक्षमारावविरचितं काव्यमस्ति –
(1) मीरा–लहरी
(2) पार्वती–परिणय:
(3) आदर्श रमणी
(4) तिलकमञ्जरी
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

134. डॉ. श्रीधरभास्कर वर्णेकरस्य रचना विद्यते –
(1) महाप्रयाणम्
(2) कथाकुसुमम्
(3) विवेकानन्दविजयम्
(4) जीवनस्य पृष्ठद्वयम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

135. महाकविदण्डिन: काव्यशास्त्रीय: ग्रन्थोऽस्ति –
(1) अवन्तिसुन्दरीकथा
(2) दशकुमारचरितम्
(3) काव्यादर्श:
(4) छन्दोविचिति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

409421 409421 409421

136. आचार्यमम्मटेन काव्यस्य कति मुख्यभेदा: स्वीकृता: –
(1) पञ्च (2) चत्वार:
(3) षट् (4) त्रय:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

137. "हेतुर्न तु हेतव:" इत्यत्र "हेतु" इति शब्देन परिगणिता: सन्ति –
(1) शक्ति:, निपुणता, अभ्यास:
(2) शक्ति:, भक्ति:, अभ्यास:
(3) मुक्ति:, भक्ति:, शक्ति:
(4) ध्वनि:, शक्ति:, अभ्यास:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

138. व्यंग्यस्यापेक्षया वाच्यस्यैव चमत्कारित्वात् किन्तत्काव्यम् ?
(1) गौणकाव्यम्
(2) अवरकाव्यम्
(3) गुणीभूतव्यंग्यकाव्यम्
(4) व्यंग्यकाव्यम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

139. काव्यकारणप्रसंगे अभ्यासे करणत्वेन प्रोक्तं वर्तते ।
(1) लोकव्यवहार: (2) शिष्टाचार:
(3) काव्यज्ञशिक्षा (4) शक्ति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

140. काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये ।
सद्य: परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे ।।
इत्यत्र सद्य: परनिर्वृतये इत्यस्यार्थो वर्तते –
(1) सद्य: तापत्रयविनाशाय ।
(2) सद्य: कर्तव्याकर्तव्यबोधनाय ।
(3) सद्य: परमानन्दप्रदानाय ।
(4) सद्य: भौतिकसुखप्रदानाय ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

141. "स्वसिद्धये पराक्षेप:" इति का लक्षणा ?

(1) लक्षणलक्षणा
(2) उपादानलक्षणा
(3) विशुद्धालक्षणा
(4) लक्षणगौणीलक्षणा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

142. अधस्तनेषूदाहरणेषु उपादानलक्षणाया: उदाहरणमस्ति –

(1) कुन्ता: प्रविशन्ति
(2) कर्मणि कुशल:
(3) काकेभ्यो दधि रक्ष्यताम्
(4) गङ्गायां घोष:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

143. यस्य प्रतीतिमाधातुं लक्षणा समुपास्यते ।
फले शब्दैकगम्येऽत्र ________ नापरा क्रिया ।।
इत्यत्र रिक्तस्थाने उचितपदं स्यात् –

(1) वाचकात्   (2) लक्षकात्
(3) व्यञ्जनात्   (4) स्वरात्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

144. "प्रतीतियोग्यो रस:" कस्याभिमतम् ?

(1) श्रीशंकुकस्य   (2) भट्टनायकस्य
(3) अभिनवगुप्तस्य   (4) भट्टलोल्लटस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

145. प्रयोजनेन सहितं लक्ष्यार्थं स्वीकर्तुं ग्रन्थदृशा युज्यते न वा ?

(1) शक्यते
(2) न युज्यते
(3) युक्तियुक्तमस्ति
(4) लक्षणीयं युज्यते
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

146. 'चित्रभानुर्विभाति' इत्यत्र चित्रभानुपदेन रात्रौ अर्थग्रहणं भवति –

(1) वह्ने:   (2) भानो:
(3) चन्द्रस्य   (4) तारकस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

147. 'परस्परावलोकनालिङ्गनाधरपानपरिचुम्बना-द्यनन्तभेदत्वादपरिच्छेद्य इत्येक एव गण्यते' इत्यत्र रसो वर्णित: –

(1) विप्रलम्भ शृङ्गार:
(2) सम्भोग शृङ्गार:
(3) करुण रस:
(4) हास्य रस:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

148. आलङ्कारिकमतानुसारमभिव्यक्तिवादस्य संस्थापको विद्यते –

(1) अभिनवगुप्त:
(2) भट्टनायक:
(3) भट्टलोल्लट:
(4) श्रीशंकुक:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

149. पूर्वापरीभूतावयव: क्रियारूप: भवति –

(1) सिद्ध: (2) साध्य:
(3) प्राणप्रद: (4) विशेषाधानहेतु:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

150. गौणी–सारोपाया: उदाहरणमस्ति –

(1) आयुर्घृतम्
(2) कुन्ता: प्रविशन्ति
(3) गौरयम्
(4) गौर्वाहीक:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

409421

409421

409421